निकायों को छोड़ कर ऐसी संस्थाओं में निजी तौर पर पद ग्रहण न करें, जिन्हें शिक्षा मंत्रालय से अनुदान मिलता हो।

(ख) मंत्रालय का कोई भी अधिकारी, शिक्षा मंत्रालय से अनुदान प्राप्त करने वाली किसी भी शैक्षिक संस्था का निजी तौर पर पदाधिकारी नहीं हैं।

अश्लील पुस्तकें

2088. **श्रीमती श्यामकुमारी देवी:**
श्री हुकम चन्द कछवाय:
श्री लखमू भवानी:
श्री वारियर:
श्री राम हरख यादव:

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली पुलिस ने तीन व्यक्तियों को उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ और हाथरस में कुछ अश्लील पुस्तकें बेचते हुए गिरफ्तार किया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार ने उनके पास से 1028 अश्लील पुस्तकें पकड़ी हैं;

(ग) यदि हां, तो उन पुस्तकों की शीर्षक क्या हैं, और

(घ) ये पुस्तकें किस स्थान से प्रकाशित हुई हैं?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र): (क) जी, हां।

(ख) दिल्ली पुलिस ने इस मामले में कुल 1068 अश्लील पुस्तकें पकड़ी।

(ग) पकड़ी गई पुस्तकों के शीर्षक निम्न सूची में दिए गए हैं।

1. भाग की पकौड़ी।
2. मिस विजय।
3. मेरे महबूब।
4. अलबेला पिया।
5. मेरा बचपन मेरी जवानी।
6. आ गले लगजा।
7. यादें।
8. उई मां (उर्फ बदला)
9. अंधेरी रातें।
10. कोक शास्त्र (हिन्दी)
11. कोक शास्त्र (उर्दू)
12. अश्लील चित्रों की एक पुस्तक।
13. बेवफ़ा।
14. झीनी साड़ी।
15. स्त्री राज।

(घ) अभी तक इन पुस्तकों के प्रकाशन के स्थान का पता नहीं लगाया जा सका।

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

2089. **श्री बिश्राम प्रसाद:** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली प्रशासन के अधीन शिक्षा निदेशालय में स्कूलों के सहायक उपनिरीक्षकों और निरीक्षकों के कितने पद हैं; और

(ख) इन पदों पर अनुसूचित जातियों के कितने व्यक्ति काम कर रहे हैं?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला): (क) और (ख). अपेक्षित सूचना एकत्रित की जा रही है और यथासमय सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

हिन्दी सहायक

2090. **श्री बिश्राम प्रसाद:** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय ने हिन्दी सहायकों को यह अनुमति देने का निर्णय किया है कि वे हिन्दी अधि-

कारियों के पदों के लिये ग्रावेदन पत्र भेज सकते हैं ; ग्रौर

(ख) यदि हां, तो इस ग्राधार पर 1964–65 में कितने हिन्दी सहायकों की हिन्दी ग्रधिकारियों के पदों पर नियुक्ति हुई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) जी, हां ।

(ख) सूचना एकत्रित की जा रही है ग्रौर सदन के सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

हिन्दी सहायकों की वरिष्ठता

2091. **श्री विश्राम प्रसाद** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संघ लोक सेवा ग्रायोग की परीक्षा के ग्राधार पर विभिन्न मंत्रालयों में नियुक्त किये गये हिन्दी सहायकों को संबं–धित मंत्रालयों में ग्रलग-ग्रलग स्थायी किया जा रहा ह ; ग्रौर

(ख) इसका उनकी मिली-जुली वरिष्ठता पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) जी हां ।

(ख) हिन्दी सहायकों का कोई केन्द्री-कृत संवर्ग नहीं हैं । ग्रतः है उनकी सम्मिलित वरिष्ठता का प्रश्न ही नहीं उठता ।

हिन्दी सहायक

2092. **श्री विश्राम प्रसाद** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी सहायकों के ग्रति–रिक्त ग्रौर भी पदालियां हैं जिनमें संघ लोक सेवा ग्रायोग की परीक्षाग्रों के ग्राधार पर नियुक्तियां की गई हैं, परन्तु उनको पदोन्नति के ग्रवसर नहीं दिए गये हैं ; ग्रौर

(ख) यदि नहीं, तो इस भेदभाव के क्या कारण हैं ग्रौर इस मामले में क्या कार्य–वाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र): (क) सूचना एकदम उपलब्ध नहीं है ।

(ख) स्थायी हिन्दी सहायकों की भावी पदोन्नति के ग्रवसरों की व्यवस्था के प्रश्न पर सरकार द्वारा सावधानी से विचार किया गया है । यह सुझाव दिया गया था कि स्थायी हिन्दी सहायकों को, जिनके लिये फिल हाल पदोन्नति के ग्रौर कोई ग्रवसर नहीं हैं, हिन्दी ग्रधिकारियों, गवषेणा सहायकों (हिन्दी) ग्रादि जैसे उच्चतर पदों में नियुक्ति के लिये ग्रभ्यंश दिया जाय '। एसे उच्चतर पदों की संख्या बहुत कम है ग्रौर वे ग्रधिकतर ग्रस्थायी ग्राधार पर बनाये गए हैं । इन पदों के लिये विहित ग्रर्हता का स्तर भी ग्रामतौर पर हिन्दी सहायकों के लिये निर्धारित स्तर से ऊंचा है । ग्रतः एसे पदों का कोई भाग हिन्दी सहायकों की पदोन्नति के लिये सुरक्षित रखना सम्भव नहीं हो सका । किन्तु यह निर्णय किया गया है कि ग्रर्हता प्राप्त हिन्दी सहायकों को सिवाये ऐसे मामले में जिनमें जनहित के ग्राधार पर ऐसा न करने के जबर्दस्त कारण मौजूद हों, ग्राम तौर पर केन्द्रीय सरकार के ग्रधीन श्रेणी 11 ग्रौर श्रेणी I (कनिष्ठ) के ऐसे पदों के लिये ग्रावेदन पत्र देने की ग्रनु–मति दे दी जाय जिनके लिये हिन्दी की उच्चतर योग्यताग्रों ग्रथवा उच्चस्तरीय दक्षता तथा हिन्दी के काम का ग्रनुभव ग्रपेक्षित हों।

हिन्दी सहायक

2093. **श्री विश्राम प्रसाद** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न मंत्रालयों में तदर्थ ग्राधार पर हिन्दी सहायकों के कितने पदों पर नियुक्तियां की गई हैं ; ग्रौर